Date ___ /___ /___

Saathi

Sub- Psychology
B.A. Part II (Hons)
Paper. III
Chapter - Models of Psychopathology
Topic - Types of Psychopathology of everyday life.
By Nishikant Jaiswal (Assistant Professor)
Dr. L.K.V.D College Tajpur, Samastipur
Lecture Series No - 21

Types of Psychopathologies of everyday life.

फ्रायड (Freud) ने अनेकों तरह की मनोविकृतियों Psychopathologies का वर्णन किया है जिनमें निम्नांकित प्रमुख हैं।:—

1. बोलने की भूलें (Slip of tongue) :— प्राय बोलने में भी भूल हो जाया करती है। हम बोलना कुछ चाहते हैं पर बोल कुछ और देते हैं। ऐसी गलतियों पर स्वयं व्यक्ति को भी आश्चर्य होता है। इस आश्चर्य का कारण यह है कि ऐसी गलतियों के जन्म का स्रोत अचेतन होता है। मेरिंगर तथा मेयेर (Meringer & Mayer 1958) ने बोलने में हुए इस तरह के भूल का कारण शब्दों की ध्वनियों में समानता बतलाया है। परन्तु, फ्रायड (Freud) ने इसका जोरदार खण्डन किया और कहा कि इसका कारण अचेतन में दमित इच्छाएँ होती हैं जो इस तरह के भूल के रूप में चेतन में व्यक्त होकर अपना आंशिक संतुष्टि कर लेती हैं।

Scanned with CamScanner

Date __/__/__

2. नामों को भूलना (Forgetting of names) - कभी-कभी ऐसा होता है कि हमलोग अपने पूर्ण परिचित व्यक्तियों के नाम भूल जाते है और इसका स्पष्ट कारण भी नहीं दिखता। कई बार तो बहुत कोशिश करने के बाद भी उनका नाम याद नहीं आता परन्तु अपने आप फिर बाद में याद आ जाते है। यह अस्थाई भूलने का कारण अर्द्धचेतन (Sub conscious) होता है। परन्तु स्थाई रूप से भूलना या लम्बे समय तक याद नहीं आने का कारण अचेतन (Unconscious) ही होता है।

3. लिखने की भूले (Slip of pen):- लिखने की भूलें भी हमारे दैनिक जीवन की सामान्य भूलों में से एक है। इस तरह की भूल में व्यक्ति लिखना कुछ चाहता है और लिख कुछ और देता है। सामान्यतः ऐसी गलतियों का कारण लिखते समय ध्यान न देना या ध्यान का बँट जाना या भाषा ज्ञान का अभाव माना जाता है। परन्तु फ्रायड ने विश्लेषणात्मक सबूत (analytical evidences) देकर यह साबित कर दिया है कि लिखने की भूलें भी अचेतन की दमित इच्छाओं के कारण ही होता है।

4. छपाई की भूलें (Misprints):- छपाई की भूलें भी हमारे जीवन में अक्सर देखने को मिलती है। अक्सर समाचार-पत्रों, पुस्तकों एवं विज्ञापनों में इस तरह की भूलें देखने को मिलती है तथा अनेक बार इन गलतियों का सुधार भी देखने को मिलता है। इन गलतियों से भी हमें अचेतन में दमित इच्छाओं एवं विचारों के संकेत मिलते है।

Scanned with CamScanner